www.sgbauonline.com

AU–2347

M.A. (Part–I) Translation Hindi (Semester–II) Examination

TRANSLATION HINDI

(Anuwad Vidnyan)

Paper–I

समय : तीन घंटे] [पूर्णांक : 80

सूचना :— सभी प्रश्नों को हल करना अनिवार्य है।

1. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** के उत्तर लिखिए :

   (1) पाठ के आधार पर किए जाने वाले अनुवाद के प्रकारों को विश्लेषित कीजिए।

   (2) 'आशु अनुवाद' की व्याख्या करते हुए उसकी आवश्यकता को समझाइए।

   (3) 'मशीन' अनुवाद का एक साधन है। इस कथन की उपयोगिता और अनुपयोगिता की विवेचना कीजिए।

   (4) अनुवाद के साधन के रूप में उपयोग में लाये जाने वाले कोश के प्रकारों को विस्तार से समझाइए।

   (5) अच्छे अनुवादक में कौन-कौनसे गुण होने चाहिए, सविस्तार समझाइए। 3×16=48

2. निम्नलिखित लघूत्तरी प्रश्नों में से किन्हीं **चार** के उत्तर लगभग **10** से **15** पंक्तियों में लिखिए :

   (1) 'पुनरीक्षण का अभाव यांत्रिक अनुवाद की एक समस्या है।' स्पष्ट कीजिए।

   (2) द्विभाषिक कोश अनुवाद में किस तरह सहायक होते हैं।

   (3) 'आंशिक अनुवाद' अनुवाद का एक महत्वपूर्ण प्रकार है, समझाइए।

   (4) 'सारानुवाद' की संकल्पना को स्पष्ट कीजिए।

   (5) अनुवादक की योग्यता पर संक्षेप में प्रकाश डालिए।

   (6) अंत: भाषिक अनुवाद को उदाहरण सहित स्पष्ट समझाइए।

   (7) व्याकरण ग्रंथ किस प्रकार अनुवाद के साधन के रूप में कार्य करते हैं ?

   (8) पारिभाषिक शब्दार्थ के निर्माण की समस्याओं का उल्लेख कीजिए। 4×4=16

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

3. निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ/अतिलघुत्तरी प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए :

(अ) निम्नलिखित कथन सही है या गलत लिखिए :

(1) पुनरीक्षण का तात्पर्य सुधार या संशोधन की दृष्टि से विषय को फिर से देखना है।

(2) पुनरीक्षण का अभाव मशीनी अनुवाद की समस्या है।

(3) साहित्येतर विषयों के अनुवाद में पारिभाषिक शब्दों की समस्या नहीं होती।

(4) साहित्यिक कृतियों का एक से अधिक बार अनुवाद हो सकता है।

(5) दो भाषाओं का ज्ञान अनुवादक के लिए आवश्यक नहीं।

(6) अनुवाद एक साहित्यिक विधा है, किंतु मौलिक साहित्य नहीं।

(7) भावानुवाद में भाव की अपेक्षा शब्द पर अधिक ध्यान दिया जाता है।

(8) छायानुवाद में मूलरचना का कथ्य प्रायः वही रहता है लेकिन उसका बाहरी रूप बदल दिया जाता है।

(9) आधुनिक काल में मशीनी अनुवाद की आवश्यकता बढ़ रही है।

(10) आशु अनुवादक अर्थात दुभाषिया। 10×1=10

(ब) उपयुक्त 'शब्द-चयन' के साथ वाक्य पूर्ण कर उत्तर लिखिए :

(1) आशु अनुवाद को (अनुवादक/लेखक/भाषांतरण) कहा जाता है।

(2) एक भाषा की पाठ्यसामग्री को दूसरी भाषा की पाठ्यसामग्री में मशीन द्वारा रूपांतरित करना (अनुवाद/उलथा/मशीनी) अनुवाद कहलाता है।

(3) विशिष्ट संकल्पना अथवा विषयवस्तु को एक ही शब्द में प्रस्तुत करना (कोश/शब्दकोश/[illegible]) कहलाता है।

(4) शब्दशः अनुवाद में शब्द पर ध्यान दिया जाता है, किंतु भावानुवाद में (शब्द/वाक्य/भाव) पर ध्यान दिया जाता है।

(5) साहित्येतर विषयों की (लक्षणा/व्यंजना/पारिभाषिक शब्द) एक मुख्य समस्या है।

(6) किसी कहानी या उपन्यास का फिल्म या दूरदर्शन के धारावाहिकों द्वारा किया गया प्रतिफलन (अन्तर प्रतीकात्मक/अंतरभाषिक/अंतःभाषिक) अनुवाद कहलाता है। 6×1=6

www.sgbauonline.com